झारखण्ड विधान सभा
दैनिक विवरणिका

पंचम् झारखण्ड विधान सभा
संख्या–01

द्वादश (मानसून) सत्र
शुक्रवार, दिनांकः–28 जुलाई, 2023 ई०।

समयः–11:00 बजे पूर्वा० से 11:55 पूर्वा० तक।

(माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

1. प्रारंभिक वक्तव्य

माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा पंचम् झारखण्ड विधान सभा के द्वादश (मानसून) सत्र के शुभारंभ पर सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक अभिनंदन और जोहार करते हुए अपना उद्‌गार व्यक्त किया गया। उन्होंने अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा कि मैं सदन के माध्यम से झारखण्ड राज्य की नवनियुक्त उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री श्रीमती बेबी देवी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

माननीय सदस्यगण, इस वर्ष राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ का 66वाँ सम्मेलन 30 सितम्बर से 06 अक्टूबर तक अफ्रीका महादेश के घाना के अकरा में निर्धारित है। राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ जैसे बड़े संगठन में हम अपनी उपस्थिति दर्ज करने तक सीमित न रहकर ऐसे सम्मेलन से राष्ट्र की तरक्की में अपनी भागीदारी किस तरह निभा पाए, इस पर भी हमें सोचना होगा। समिति व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्‌देश्य से वर्ष 2023–24 के लिए समितियों के सभापतियों एवं उनके सदस्यों का मनोनयन किया गया है। सभापतियों में अधिकतर युवा हैं, जिनके ऊर्जा से निश्चय ही झारखण्ड राज्य के नवनिर्माण और आमजनों का कल्याण होगा।

संसदीय लोकतंत्र में कार्यपालिका और विधायिका का पारस्परिक संबंध है। कार्यपालिका का सामूहिक दायित्व विधायिका के प्रति होता है। इस विषय को लेकर **विधि निर्माण की प्रक्रिया तथा कार्यपालिका का दायित्व** विषय पर पहल करते हुए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका फलाफल निश्चित रूप से लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा।

माननीय सदस्यगण, वर्तमान सत्र के दौरान कुल छः बैठकें निर्धारित हैं। वर्ष 2023–24 के प्रथम अनुपूरक व्यय–विवरणी के व्यवस्थापन के लिये एक दिन, राजकीय विधेयक के लिए तीन दिन तथा गैर–सरकारी संकल्प सभा के अंतिम कार्य दिवस के लिए निर्धारित है। इसके अतिरिक्त प्रक्रिया तथा कार्य संचालन के नियमों के अधीन माननीय सदस्यों को जन–सरोकार से जुड़े विषयों और समस्याओं पर सत्र के दौरान प्रश्नकाल, शून्यकाल, ध्यानाकर्षण–सूचनाएँ उठाने एवं प्रस्तावों और संकल्पों को प्रस्तुत करने का अवसर भी प्राप्त होंगे।

यद्यपि यह सत्र छोटा है, परन्तु फिर भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसमें आप सभी की भागीदारी आवश्यक है, क्योंकि राज्य की जनता की समस्याओं का निवारण करने के लिए सदन में सार्थक विमर्श होना जरूरी है और यह विमर्श आप सभी के सदन में उपस्थिति से ही संभव हो पायेगा। मुझे विश्वास है कि राज्यहित में सदन के संचालन में आप सभी का पूर्ण सहयोग सदैव प्राप्त होगा।

माननीय सदस्यगण, लोकतंत्र में पक्ष–विपक्ष उसके अलंकार होते हैं। वैचारिक मतभिन्नताओं के बावजूद पक्ष और विपक्ष के सभी माननीय सदस्यगण के लिए क्षेत्र की जनता के कल्याण का विषय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि आम जनमानस में ही अंतिम संप्रभुता निवासित होती है और इस सदन में हम

सभी की उपस्थिति उनके प्रतिनिधि के रूप में प्रतिबिंबित होती है। मुझे आशा है कि आप सभी माननीय सदस्यगण इस सत्र का ज्यादा से ज्यादा उपयोग अपने अपने क्षेत्र की जनता के कल्याण के लिए करेंगे।

इन्हीं शुभकामनाओं और प्रबल विश्वास के साथ आपका पुनः अभिनंदन।

2. सभापति का मनोनयन

झारखण्ड विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य–संचालन के नियम–10(1) के अधीन नाम–निर्देशित सभापति तालिका के सदस्य के रूप में निम्नांकित माननीय सदस्यों को मनोनीत किया गयाः–

1. श्री स्टीफन मराण्डी	स०वि०स०
2. श्री रामचन्द्र चन्द्रवंशी	स०वि०स०
3. श्रीमती सीता मुर्मू	स०वि०स०
4. श्री रामचन्द्र सिंह	स०वि०स०
5. श्री निरल पुरती	स०वि०स०

3. कार्यमंत्रणा समिति का गठन

झारखण्ड विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य–संचालन के नियम–224(1) के अधीन पंचम् झारखण्ड विधान सभा के द्वादश (मानसून) सत्र के लिए कार्य–मंत्रणा समिति का गठन निम्न प्रकार से किया गया–

1. श्री रबीन्द्र नाथ महतो	अध्यक्ष	सभापति
2. श्री हेमन्त सोरेन	मुख्यमंत्री	सदस्य
3. श्री आलमगीर आलम	संसदीय कार्यमंत्री	सदस्य
4. श्री सत्यानन्द भोक्ता	मंत्री	सदस्य
5. श्री चन्द्रेश्वर प्रसाद सिंह	स०वि०स०	सदस्य
6. श्री सुदेश कुमार महतो	स०वि०स०	सदस्य
7. श्री सरयू राय	स०वि०स०	सदस्य

विशेष आमंत्रित सदस्य

1. श्री चम्पाई सोरेन	मंत्री
2. श्री रामेश्वर उराँव	मंत्री
3. श्री नलिन सोरेन	मुख्य सचेतक (सत्तापक्ष)
4. श्री स्टीफन मराण्डी	स०वि०स०
5. श्री लोबिन हेम्ब्रम	स०वि०स०
6. श्री नीलकंठ सिंह मुण्डा	स०वि०स०
7. श्री प्रदीप यादव	स०वि०स०
8. डॉ० सरफराज अहमद	स०वि०स०
9. श्री रामचन्द्र चन्द्रवंशी	स०वि०स०
10. श्रीमती अपर्णा सेन गुप्ता	स०वि०स०
11. श्री विनोद कुमार सिंह	स०वि०स०
12. श्री कमलेश कुमार सिंह	स०वि०स०
13. श्रीमती पूर्णिमा नीरज सिंह	स०वि०स०

नियमानुसार अध्यक्ष इस समिति के सभापति तथा सभा सचिव इसके सचिव होंगे। सभा की कार्यवाही के तुरन्त बाद इस समिति की बैठक माननीय अध्यक्ष के कार्यालय कक्ष में होगी जिसमें सभी माननीय सदस्यों को उपस्थित होने हेतु अनुरोध किया गया।

4. औपचारिक कार्य

माननीय अध्यक्ष की अनुमति से सभा सचिव द्वारा झारखण्ड विधान सभा के विगत सत्रों में उद्भूत एवं सभा द्वारा पारित विधेयकों की विवरणी सभा पटल पर रखी गई, जिसपर माननीय राष्ट्रपति एवं

राज्यपाल महोदय ने अपनी अनुमति प्रदान की है तथा जिसकी सूचना पंचम् झारखण्ड विधान सभा के एकादश (बजट) सत्र की समाप्ति के बाद प्राप्त हुई है–

माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा अनुमत विधेयक की विवरणी–

क्रमांक	अनुमत विधेयक का नाम	अनुमति की तिथि	अधिनियम संख्या
1	कोर्ट फीस (झारखण्ड संशोधन) विधेयक, 2017	31.05.2018	24/2018

माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा अनुमत विधेयक की विवरणी–

क्रमांक	अनुमत विधेयक का नाम	अनुमति की तिथि	अधिनियम संख्या
1	झारखण्ड विनियोग (संख्या–01) विधेयक, 2023	09.03.2023	07/2023
2	झारखण्ड विनियोग (संख्या–02) विधेयक, 2023	29.03.2023	08/2023
3	दुर्गा सोरेन विश्वविद्यालय विधेयक, 2023	12.05.2023	09/2023
4	इटकी ट्यूबरकुलोसिस सेनेटोरियम (रेगुलेशन ऑफ बिल्डिंग) (संशोधन) विधेयक, 2023	28.06.2023	10/2023

5. कृत कार्रवाई प्रतिवेदन का उपस्थापन (ATR)

आसन द्वारा पुकारे जाने पर माननीय संसदीय कार्य मंत्री, श्री आलमगीर आलम द्वारा झारखण्ड विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन के नियम–244(2) के अधीन पंचम् झारखण्ड विधान सभा के एकादश (बजट) सत्र में विभिन्न विषयों पर सरकार द्वारा दिये गये आश्वासनों से संबंधित "कृत कार्रवाई प्रतिवेदन" की प्रति सभा पटल पर उपस्थापित की गयी।

6. शोक प्रकाश

विगत् सत्र से अब तक की अवधि में हमारे बीच से कई राजनेता, कलाकार, खिलाड़ी, साहित्यकार, लेखक और आम नागरिक गुजर गये। इनमें से जगरनाथ महतो, डेविड मुर्मू, प्रकाश सिंह बादल, ओमन चांडी, हरिहर नारायण प्रभाकर, पुतकर हेम्ब्रम, डॉ० करमा उराँव, गायत्री देवी, शोभाकांत मंडल, विनोद कुमार चौधरी, सोनेलाल मेहता, प्रभाकर मिश्र, रणधीर सिंह, चन्द्रदेव पाण्डेय, डॉ० कृष्ण बिहारी मिश्र, जैमिनी शंकरण, सलीम दुर्रानी आदि प्रमुख है।

माननीय अध्यक्ष महोदय ने सदन में अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा कि झारखण्ड के शिक्षा मंत्री और झारखण्ड के टाईगर के नाम से प्रसिद्ध जगरनाथ महतो का दिनांक–06 अप्रैल, 2023 को निधन हो गया। उन्होंने वर्ष–2009, 2014 तथा 2019 में डुमरी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। झारखण्ड आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभानेवाले स्वर्गीय महतो राज्य के बच्चों की शिक्षा के लिए कृतसंकल्पित थे। उन्होंने पारा शिक्षकों के मानदेय भुगतान का नियमितिकरण किया तथा सहायक अध्यापक का दर्जा दिलाया। हमने अपना जुझारू, कर्मठ और जनप्रिय नेता खो दिया है, जिसकी भरपाई राजनीतिक जगत में कर पाना असंभव है। हमें उनके निधन से मर्मान्तक पीड़ा की अनुभूति हुई है।

शिकारीपाड़ा विधान सभा क्षेत्र का झारखण्ड मुक्ति मोर्चा पार्टी से तीन बार 1979, 1980 एवं 1985 में प्रतिनिधित्व कर चुके डेविड मुर्मू का दिनांक–27 जुलाई, 2023 को निधन हो गया। स्व० मुर्मू सरल व्यक्तित्व के लिए काफी लोकप्रिय थे। इनके निधन से हम मर्माहत हैं।

भारतीय राजनीतिक जगत के महान हस्ती तथा वर्ष 1970–71, 1977–80, 1997–2002 में पंजाब के मुख्यमंत्री रहे प्रकाश सिंह बादल का दिनांक–25 अप्रैल, 2023 को निधन हो गया। स्व० बादल पंजाब के सबसे युवा और सबसे बुजुर्ग मुख्यमंत्री बने थे। उनके निधन से हम सभी मर्माहत हैं।

वर्ष 2004–2006 और 2011–2016 तक केरल के पूर्व मुख्यमंत्री रहे ओमन चांडी का दिनांक 18 जुलाई, 2023 को निधन हो गया। स्व० चांडी का राजनीतिक सफर पाँच दशकों से ज्यादा का रहा। स्व० चांडी केरल के लोकप्रिय और बेमिसाल नेताओं में से एक थे। उनके निधन से हम सभी मर्माहत हैं।

वर्ष 1977, 1985 और 1990 में राजधनवार विधान सभा का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व माननीय सदस्य हरिहर नारायण प्रभाकर का 15 जुलाई, 2023 को निधन हो गया। स्व० प्रभाकर के निधन से हम सभी मर्माहत है।

वर्ष 2005 में चाईबासा विधान सभा क्षेत्र से विधायक पुतकर हेम्ब्रम 'हो' भाषा के प्रोफेसर और आकाशवाणी, चाईबासा के आरंभिक उद्घोषकों में से एक रहे थे। हमने एक सहज, सरल और संघर्षशील नेता को अपने बीच से खो दिया है। हमें उनके निधन से गहरा आघात लगा है।

जनजातीय सामाजिक चिंतक, शिक्षाविद्, बिहार लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य तथा राँची विश्वविद्यालय एस०टी०/एस०सी० स्पेशल सेल के अध्यक्ष डॉ० करमा उराँव का दिनांक–14 मई, 2023 को निधन हो गया। मानव शास्त्र में उनकी लिखी गई किताबों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें ख्याति दिलाई। उनका निधन सामाजिक जगत के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

बिहार सरकार की पूर्व मंत्री और नवादा से करीब तीन दशक तक विधायक रही गायत्री देवी का दिनांक–09 अप्रैल, 2023 को निधन हो गया। स्व० गायत्री देवी एक कुशल राजनेता, मृदुभाषी और समाजसेवी महिला थी। उनके निधन से सामाजिक और राजनीतिक जगत को अत्यंत क्षति पहुँची है।

बिहार के पीरपैंती के पूर्व विधायक शोभाकांत मंडल का दिनांक 14 मई, 2023 को निधन हो गया। स्व० मंडल वर्ष 2000 में प्रथम बार विधायक बने थे।

वर्ष 2008 से 2014 तक बिहार विधान परिषद् के सदस्य रहे विनोद कुमार चौधरी का दिनांक–16 जुलाई, 2023 को निधन हो गया।

वर्ष 2014 में बिहार विधान परिषद् के सदस्य रहे सोनेलाल मेहता का दिनांक 27 अप्रैल, 2023 को निधन हो गया। स्व० मेहता ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत 1972 से की थी।

झारखण्ड के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉलर प्रभाकर मिश्र का दिनांक 14 जुलाई, 2023 को निधन हो गया। वे बांग्लादेश के खिलाफ वर्ष 1976 में भारतीय टीम से खेले थे।

एकीकृत बिहार रणजी टीम के कप्तान रहे और अन्तर्राष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले तेज गेंदबाज रणधीर सिंह का दिनांक 08 मार्च, 2023 को निधन हो गया।

1962 में चीन तथा 1965–71 पाकिस्तान युद्ध के योद्धा चंद्रदेव पाण्डेय का दिनांक 29 मई, 2023 को निधन हो गया। नावाडीह निवासी स्व० पाण्डेय 1949 में आर्मी सिग्नल रेजीमेंट में भर्त्ती हुए थे।

हिन्दी के प्रख्यात साहित्यकार और पद्मश्री, मूर्ति देवी पुरस्कार से सम्मानित डॉ० कृष्ण बिहारी मिश्र का दिनांक 06 मार्च, 2023 को निधन हो गया।

भारतीय सर्कस के पितामह और सर्कस को वैश्विक पहचान दिलाने वाले जैमिनी शंकरण का 23 अप्रैल, 2023 को निधन हो गया।

क्रिकेट प्रशंसकों के मांग पर छक्का जड़नेवाले 1960 के दशक के दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सलीम दुर्रानी का 02 अप्रैल, 2023 को निधन हो गया। क्रिकेट जगत में इनकी भरपाई कर पाना संभव नहीं है।

4 दशक तक थियेटर, सिनेमा, टी.वी. पर अभिनय, निर्देशन, लेखक और बतौर निर्माता के रूप में अपनी छाप छोड़नेवाले मशहूर अभिनेता और फिल्मकार सतीश कौशिक का दिनांक 09 मार्च, 2023 को निधन हो गया।

अस्सी के दशक में टेलीविजन के लोकप्रिय धरावाहिक महाभारत में शकुनी की भूमिका निभाने वाले गूफी पेंटल का दिनांक 05 जून, 2023 को निधन हो गया।

भारतीय वाहन उद्योग के दिग्गज और महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा के मानद चैयरमेन केशव महिन्द्रा का दिनांक 12 अप्रैल, 2023 को निधन हो गया। उनका निधन उद्योग जगत के लिए बहुत बड़ी क्षेति है।

प्रसिद्ध इतिहासकार और औपनिवेशिक भारत में किसान विद्रोह के प्राथमिक पहलू पुस्तक के लेखक रणजीत गुहा का दिनांक 28 अप्रैल, 2023 को निधन हो गया।

ओडिसा के बालासोर जिले में दिनांक 02 जून, 2023 को कोरोमंडल एक्सप्रेस और बेंगलुरू--हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के बेपटरी होने और एक मालगाड़ी के टकराने से जुड़े त्रिपक्षीय भीषण रेल हादसे में 288 लोगों के मौत की घटना हृदय विदारक है।

जम्मू–कश्मीर के पुंछ इलाके में दिनांक 20 अप्रैल, 2023 को सेना के वाहन पर हुए आतंकी हमले में पांच भारतीय जवानों के शहीद होने की घटना, जम्मू–कश्मीर, महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड, गुजरात, दिल्ली, पंजाब–हरियाणा समेत देश के कई राज्यों में बाढ़ और बारिश के कारण हुई लोगों की मौत उत्तराखण्ड के चमोली जिले में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट परिसर में करंट फैलने से 16 लोगों की मौत, तेतुलमारी–निचितपुर रेलवे स्टेशन के बीच झारखोर गांव स्थित रेलवे फाटक के पास पोल में करंट दौड़ने से छः लोगों की मौत की घटना अत्यंत ही दुःखद है, वहीं राज्य में जानलेवा गर्मी और लू से 13 लोगों की मौत दिनांक 20 जून, 2023 को राज्य में हुए वज्रपात में सोलह लोगों की मौत की घटना, साहिबगंज और पाकुड़ में दिनांक 30 मई, 2023 को वज्रपात से छः बच्चों की मौत की घटना भी अत्यंत पीड़ादायक है।

तत्पश्चात् पुकारे जाने पर माननीय सदन नेता एवं मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन, माननीय सदस्य श्री बिरंची नारायण, माननीय मंत्री श्री आलमगीर आलम, माननीय मंत्री श्री सत्यानंद भेक्ता, माननीय सदस्य श्री प्रदीप यादव, माननीय सदस्य श्री सुदेश कुमार महतो, माननीय सदस्य श्री विनोद कुमार सिंह, माननीय सदस्य श्री कमलेश कुमार सिंह, माननीय सदस्य श्री सरयू राय एवं माननीय सदस्य श्री अमित कुमार यादव ने भी इनके प्रति श्रद्धा सुमन निवेदित किया। उल्लेखनीय है कि माननीय सदस्य श्री सरयू राय ने सदन को अवगत कराया कि स्व० जगरनाथ महतो 2005 से ही सदन के सदस्य रहे हैं। इसे शोक प्रकाश में जोड़ दिया जाय। श्रद्धा सुमन अर्पण के उपरान्त दो मिनट का मौन रखा गया।

इसके बाद सभा की कार्यवाही सोमवार, दिनांक–31 जुलाई, 2023 के 11:00 बजे पूर्वा० तक के लिए स्थगित की गयी

राँची

सैयद जावेद हैदर

दिनांक–28.03.2023

प्रभारी सचिव,

झारखण्ड विधान–सभा, राँची।